Creative Expression

Talented Students of IUJ participated in Poster making competition on eve of Gandhi Jayanti!!!!!!

Poem in the honor of Hindi Divas

By Arti Kumari, Students BCA

"हिन्दी"

सागर के समान गहरी है हिन्दी,
कभी आलौकिक तो कभी अद्भुत है हिंदी,
सभी भाषाओं की जीवन रेखा तो कभी जननी है हिन्दी,
अभिमान है हिन्दी, सम्मान है हिन्दी,
केवल भाषा ही नहीं, हमारा स्वाभिमान है हिन्दी!
हम भारतीयों की नाज़ है हिन्दी,
हिमालय के चोटियों की शुरुआत है हिन्दी,
कन्याकुमारी के मैदानों की हरियाली है हिंदी,
हिंदुस्तान के होठों की लाली है हिन्दी,
केवल भाषा ही नहीं, हमारा स्वाभिमान है हिन्दी!
एक औरत के माथे की बिंदी है हिंदी,
कर्णों की शीतलता है हिंदी,
वाणी में मधुरता है हिंदी,
कभी आंखों में सजे काजल की सुंदरता है हिंदी,
केवल भाषा ही नहीं, हमारा स्वाभिमान है हिन्दी!
हमारी संस्कृति की लहलहाती सांझ है हिंदी,
भोर भये सूरज की आंच है हिंदी,
चहचहाते पंछी की राग है हिंदी,
भारतवर्ष ही नहीं पूरे विश्व का श्रृंगार है हिंदी!
केवल भाषा ही नहीं, हमारा स्वाभिमान है हिन्दी!

Sketch by Ved Bhadani student, B.Com